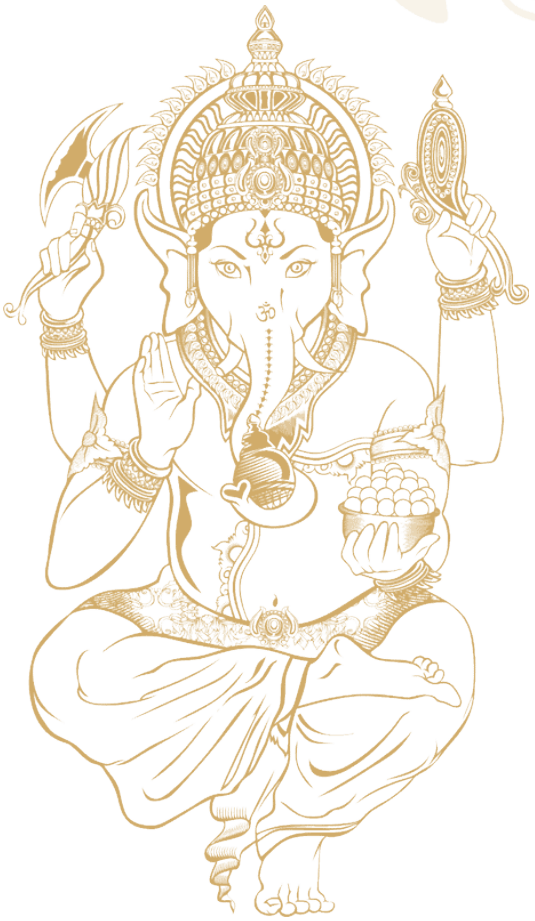

Abhye

01 Jan 1989

04:00 AM

Meerut

Model: web-freekundliweb

Order No: 121530705

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**31-01/01/1989**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**04:00:00 घंटे**
इष्ट	51:57:59 घटी
स्थान	**Meerut**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:00:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:40:48 घंटे
वेलान्तर	-00:03:04 घंटे
साम्पातिक काल	10:23:03 घंटे
सूर्योदय	07:12:48 घंटे
सूर्यास्त	17:31:56 घंटे
दिनमान	10:19:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	16:46:50 धनु
लग्न के अंश	03:04:28 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	अतिगण्ड
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पे-पेशवा
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	03:04:28	306:16:47	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
सूर्य			धनु	16:46:50	01:01:10	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	24:43:57	11:56:27	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	मित्र राशि
मंगल			मीन	26:27:58	00:30:30	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	मित्र राशि
बुध			मक	03:33:15	01:28:57	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	सम राशि
गुरु	व		वृष	03:01:33	00:03:55	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	24:00:40	01:15:01	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	सम राशि
शनि		अ	धनु	11:52:50	00:07:05	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	सम राशि
राहु	व		कुंभ	12:54:42	00:00:51	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	12:54:42	00:00:51	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			धनु	08:02:42	00:03:36	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
नेप			धनु	16:12:51	00:02:16	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	---
प्लूटो			तुला	20:50:58	00:01:35	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	---
दशम भाव			सिंह	10:09:26	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:42:19

लग्न-चलित

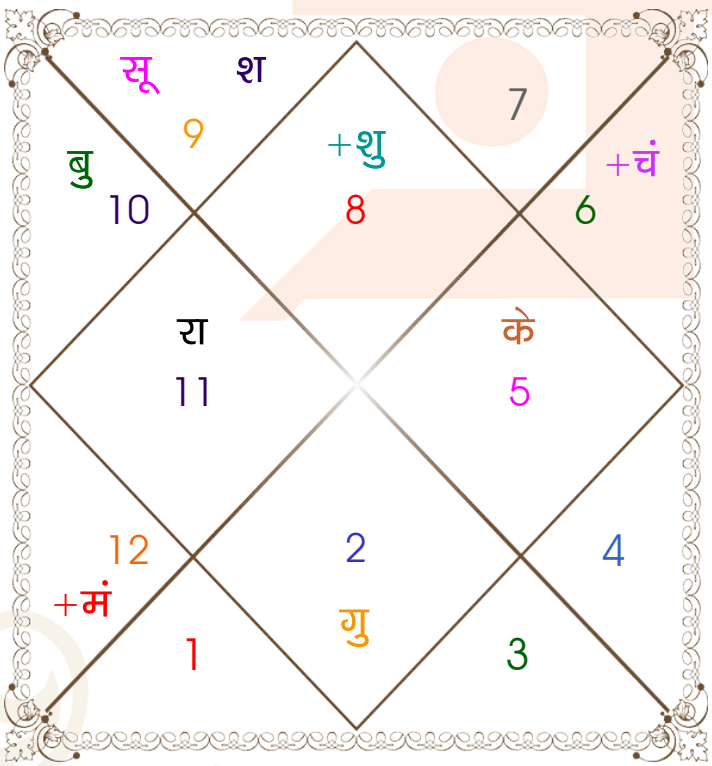

चन्द्र कुंडली

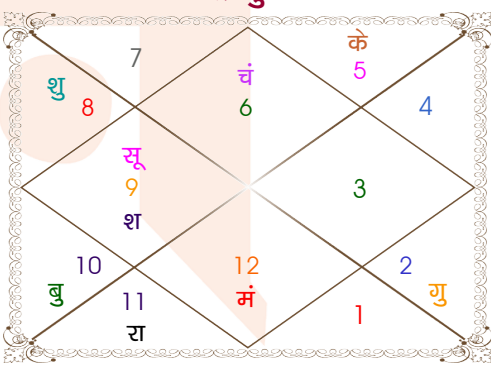

नवमांश कुंडली

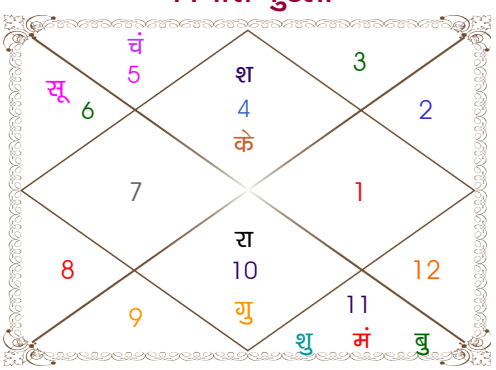

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 6 वर्ष 3 मास 5 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
01/01/1989		08/04/1995		08/04/2013		08/04/2029		07/04/2048	
08/04/1995		08/04/2013		08/04/2029		07/04/2048		08/04/2065	
	01/01/1989	राहु	19/12/1997	गुरु	27/05/2015	शनि	10/04/2032	बुध	04/09/2050
राहु	22/09/1989	गुरु	14/05/2000	शनि	07/12/2017	बुध	20/12/2034	केतु	01/09/2051
गुरु	29/08/1990	शनि	21/03/2003	बुध	14/03/2020	केतु	28/01/2036	शुक्र	02/07/2054
शनि	08/10/1991	बुध	07/10/2005	केतु	18/02/2021	शुक्र	30/03/2039	सूर्य	09/05/2055
बुध	04/10/1992	केतु	26/10/2006	शुक्र	20/10/2023	सूर्य	11/03/2040	चंद्र	07/10/2056
केतु	02/03/1993	शुक्र	26/10/2009	सूर्य	07/08/2024	चंद्र	10/10/2041	मंगल	04/10/2057
शुक्र	02/05/1994	सूर्य	19/09/2010	चंद्र	07/12/2025	मंगल	19/11/2042	राहु	23/04/2060
सूर्य	07/09/1994	चंद्र	20/03/2012	मंगल	13/11/2026	राहु	25/09/2045	गुरु	30/07/2062
चंद्र	08/04/1995	मंगल	08/04/2013	राहु	08/04/2029	गुरु	07/04/2048	शनि	08/04/2065

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
08/04/2065		07/04/2072		07/04/2092		08/04/2098		08/04/2108	
07/04/2072		07/04/2092		08/04/2098		08/04/2108		00/00/0000	
केतु	04/09/2065	शुक्र	08/08/2075	सूर्य	26/07/2092	चंद्र	06/02/2099	मंगल	05/09/2108
शुक्र	04/11/2066	सूर्य	07/08/2076	चंद्र	25/01/2093	मंगल	07/09/2099	राहु	02/01/2109
सूर्य	12/03/2067	चंद्र	08/04/2078	मंगल	01/06/2093	राहु	09/03/2101		00/00/0000
चंद्र	11/10/2067	मंगल	08/06/2079	राहु	26/04/2094	गुरु	09/07/2102		00/00/0000
मंगल	08/03/2068	राहु	08/06/2082	गुरु	12/02/2095	शनि	08/02/2104		00/00/0000
राहु	26/03/2069	गुरु	06/02/2085	शनि	25/01/2096	बुध	09/07/2105		00/00/0000
गुरु	02/03/2070	शनि	07/04/2088	बुध	01/12/2096	केतु	07/02/2106		00/00/0000
शनि	11/04/2071	बुध	06/02/2091	केतु	08/04/2097	शुक्र	09/10/2107		00/00/0000
बुध	07/04/2072	केतु	07/04/2092	शुक्र	08/04/2098	सूर्य	08/04/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 6 वर्ष 3 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।